



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	26-9-23	--	--

THE TIMES OF INDIA

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

HAU develops new high-yield mustard seed

Kumar Mukesh / TNN

Hisar: Chandhary Charan Singh Haryana Agricultural University here has developed improved mustard seed RH 1975, which gives the farmers 12% more yield than RH 749. Vice-chancellor B R Kamboj announced this at the 30th annual mustard and rye workshop in Jammu recently.

Indian Council of Agricultural Research's crop variety identification committee led by ICAR's deputy director general (crops) T R Sharma has picked this seed for timely sowing in the irrigated conditions of Punjab, Delhi, Jammu, Haryana, and north Rajasthan. RH 1975 has an average yield of 12 quintals from each acre, a yield potential of 14-15 quintals, and 39.5% oil content to encourage the farmers to produce oil-seeds for higher income.

The VC said that the farmers will get the seeds of RH 1975 by next year. HAU's director of research, Jeetram Sharma, said scientists Ram Avtar, Neeraj, Manjeet, and Ashok Kumar had developed this seed.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26-9-23	4 --	1-4--

भास्कर खास • 10 वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए बेहतर किस्म इजाद एचएयू ने सरसों की नई किस्म आरएच 1975 विकसित की, आरएच 749 के मुकाबले 12% अधिक देगी उपज

भास्कर खास • 10 वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए बेहतर किस्म इजाद

सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में शामिल एचएयू सरसों केन्द्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और नया किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समग्र पर बिहार के लिए एक उत्तम किस्म है जो मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म एचएयू ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 इजाद की गई है जो अधिक उत्पादन के कारण किसानों से लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

डी.पी. बी.आर. कान्वाल ने बताया कि जम्मू में हुई 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाळा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक फारुख डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान समिती द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिसरों में समग्र पर बिहार के लिए चिनीय किया गया है।

कृषि कॉलेज के अधिपति डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि हरियाणा के सरसों केन्द्र की टीम के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में गिनती होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 आज के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रचलित व

लोकप्रिय बन चुकी है। जो हरियाणा के अलावा कृषि, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 % क्षेत्रों में अच्छी उपज देने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 फिटल प्रति एकड़ पैदावार आराम से दे रही है व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 फिटल प्रति एकड़ तक है।

तेल की मात्रा भी अधिक

कुरुलडित ने कहा कि 11-12 फिटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 फिटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 प्रतिशत तेल की मात्रा है, जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अतिरिक्त किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी।

इस टीम का रहा सहयोग

अनुसंधान निदेशक डॉ. ज्योत्सना शर्मा के अनुसार इस किस्म को हरियाणा के सरसों वैज्ञानिकों डॉ. रामअशोक, डॉ. नीरज, डॉ. मंजीत व डॉ. अशोक कुमार की टीम ने डॉ. राजेश पुरिया, डॉ. निशा कुमारी, डॉ. विनोद गोपाल, डॉ. महावीर एवं डॉ. राजवीर सिंह के सहयोग से तैयार किया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उजाला समाचार	26-9-23	5	1-3

हकृषि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ : प्रो. काम्बोज

हिसार, 25 सितंबर (विन्ड बर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और नया किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजारी के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि मौसूद किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकृषि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 ईजाद की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पान्थन कमटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में



सरसों की नई किस्म आरएच 1975। समय पर बिजारी के लिए चिन्हित किया गया है। पैदावार के साथ रेल की मात्रा भी अधिक कुलपति ने कहा कि 11-12 किंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 किंटल प्रति एकड़ उत्पादन समता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 29.5 फीसद रेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे विलतन उत्पादन में मुद्दे के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को बल मिलेगा। इन राज्यों के किसानों को होगा लाभ

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बिजारी के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम्के पातुजा ने बताया कि हकृषि के सरसों केंद्र की देश के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में गिनती होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आर.एच. 725 आज के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रचलित व लोकप्रिय बन चुकी है, जोकि हरियाणा के अलावा पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अनेकाली उगाई जाने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 किंटल प्रति एकड़ पैदावार आराम से दे रही है व इसकी उत्पादन समता भी 14-15 किंटल प्रति एकड़ तक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 26-4-23	26-4-23	1 --	1-4--

सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बीजाई के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकूति ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 ईजाद की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। कुलपति प्रो. श्रीधर काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वाँ वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक डा. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान समेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में बीजाई के लिए चिह्नित किया है।



सरसों की नई किस्म आरएच 1975 । • बी.आर.अं
सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में शामिल

हकूति : कृषि महाविद्यालय के अधिकाता डा. एसके पाहुज ने बताया कि हकूति के सरसों केन्द्र की देश के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में गिनती होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 आज के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रचलित व लोकप्रिय बन चुकी है, जोकि हरियाणा के अलावा गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अकेली उगाई जाने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 किबटल प्रति एकड़ पैदावार अंतिम से दे रही है।

पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

कुलपति ने कहा कि 11-12 किबटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 किबटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 प्रतिशत तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को बल मिलेगा।

बीते वर्ष भी की थी दो उन्नत किस्में विकसित

अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा के अनुसार इस किस्म को हकूति के सरसों वैज्ञानिकों डा. राम अवतार, डा. नीरज, डा. संजीत व डा. अशोक कुमार की टीम ने डा. राकेश पुनिया, डा. निशा कुमारी, डा. विनोद ग्रेवाल, डा. महावीर एवं डा. राजबीर सिंह के सहयोग से तैयार किया है।

इन राज्यों को होगा लाभ

: कुलपति प्रो. श्रीधर काम्बोज ने बताया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बीजाई के लिए चिह्नित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26-9-23	4 --	7-8--

हकूवि ने सरसों की एक और नई किस्म आर.एच. 1975 की विकसित

हिसार, 25 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजहई के लिए एक उत्तम किस्म है, जो कि नींबूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आर.एच. 749 किस्म हकूवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब 10 वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आर.एच. 1975 ईजाद की गई है, जो कि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वां वार्षिक सरसों व राई कांफ्रेंस में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल)



सरसों की नई किस्म।

डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल में आर.एच. 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में समय पर बिजहई के लिए चिन्हित किया गया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बिजहई के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समय उजाला	26-9-23	2 --	1-6-

सिंचित क्षेत्रों के लिए सरसों की उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित

एचएयू ने विकसित की नई किस्म, अगले साल तक मिलेगा बीज, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू व राजस्थान के किसानों को होगा लाभ

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने सिंचित क्षेत्रों के लिए सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजई के लिए एक उत्तम किस्म है, जो मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी।

आरएच 749 किस्म एचएयू ने वर्ष 2013 में विकसित की थी जिसने को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा। कुलपति प्रो.

नई किस्म आरएच 1975 मौजूदा किस्म आरएच 749 से करीब 12 प्रतिशत अधिक देगी पैदावार

बीआर कांबोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टीआर शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी की ओर से हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में समय पर बिजई के लिए चिन्हित किया गया है। कुलपति ने कहा कि 11-12 किबंटल प्रति एकड़ औसत

दो वर्ष भी की थीं दो उन्नत किस्में

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा के अनुसार इस किस्म को एचएयू के सरसों वैज्ञानिकों डॉ. राम अखतार, डॉ. नीरज, डॉ. संजीव व डॉ. अशोक कुमार की टीम ने डॉ. रमेश पुनिया, डॉ. निशा कुमारी, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. महावीर एवं डॉ. राजवीर सिंह के सहयोग से तैयार किया है। उन्होंने बताया कि टीम ने दो वर्ष भी सरसों की दो किस्में आरएच 1424 व आरएच 1706 विकसित की थीं। सरसों अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस टीम को हाल ही में जम्मू में आयोजित कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ केंद्र अवार्ड से भी नवाजा गया है।

उत्पादन तथा 14-15 किबंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 फीसदी तेल की मात्रा है।

इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को बल मिलेगा। आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी

आरएच 725 किस्म सबसे लोकप्रिय

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि एचएयू के सरसों केंद्र की एस के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में गिनती होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 आज के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक प्रचलित व लोकप्रिय बन चुकी है, जोकि हरियाणा के अलावा यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अकेली उगाई जाने वाली किस्म है।

राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बिजई के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समय ऊई	26-9-23	5 --	4-8-

हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ: प्रो. बीआर काम्बोज

हकृवि ने सरसों की नई किस्म आरएच 1975 की विकसित

हिसार (सच कहें/श्याम सुन्दर सरदाना): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजली के लिए एक उत्तम किस्म है, जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकृवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अगले दस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 इजाजत की गई है, जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वाँ वार्षिक सरसों व राई



इनको होगा लाभ

कुलपति काम्बोज ने बताया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बीजई के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध कराया जाएगा।

बीते वर्ष भी की थी दो उन्नत किस्में

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा के अनुसार इस किस्म की हकृवि के सरसों वैज्ञानिकों डॉ. राम अग्रवाल, डॉ. नीरज, डॉ. मंजीत व डॉ. आशोक कुमार की टीम ने डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. निता कुमारी, डॉ. किरीट गोयल, डॉ. म्हावीर एवं डॉ. राजवीर सिंह के सहयोग से तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस टीम ने गत वर्ष भी सरसों की दो किस्में आर.एच. 1424 व आर.एच. 1706 विकसित की हैं। ये किस्में भी सरसों की उत्पादकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया सरसों अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस टीम को हाल ही में जम्मू में आयोजित कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ कंट्रोल टीम से भी नकल गया है।

कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहासचिव (परसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में पठित पराधान कमेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म की सिंचित परिस्थिति में समय पर बिजली के लिए चिन्हित किया गया है।

पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

कुलपति ने कहा कि 11-12 मिटरल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 मिटरल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 पीसीए तेल की मात्रा है, जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को बल मिलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हार भूमि	26-9-23	--	--

हकृवि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ : प्रो. कांबोज

हरिकृषि न्यूज 111 हिंसार

पेदावार के साथ तेल भी अधिक



11-12 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड औसत उष्णता तथा 14-15 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड उष्णता के साथ उष्ण क्षेत्रों में आरएच 1975 किस्म में लगभग 29.5 प्रतिशत तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म उच्च किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी।

बीते वर्ष भी थी दो उन्नत किस्में

अनुसंधान विभाग डॉ. जयदेव शर्मा के अध्यक्ष इन किस्मों को हकृवि के स्वयं वैज्ञानिकों डॉ. राम अजय, डॉ. नरेश डॉ. संजीव व डॉ. अशोक कुमार की टीम ने डॉ. राकेश प्रीति डॉ. शिव कुमारी, डॉ. विवेक गोपाल, डॉ. महावीर एवं डॉ. राजेश्वर सिंह के सहयोग से तैयार किया है। उन्होंने बताया कि इस टीम ने बीते वर्ष भी दो उन्नत किस्में आरएच 1424 व आरएच 1706 विकसित की हैं। ये किस्में भी स्वयं की उपजाऊ शक्ति में नए फल प्रदर्शित कर रही हैं।

सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में शामिल

हकृवि विश्वविद्यालय के अतिरिक्त डॉ. प्रमोद प्रभुज ने बताया कि हकृवि की स्वयं की टीम की तरह के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में शामिल होगी है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई उन्नत की किस्म आरएच 725 आर के दिन किस्मों के बीच सबसे अधिक प्रशिक्षण व लोकप्रिय बन चुकी है। जैक हरियाणा के अलावा पूरे राजस्थान, महाराष्ट्र में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अतिरिक्त उगाई जाने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड उष्णता में बढ़ती है व इसकी उपजाऊ शक्ति में 14-15 डिग्री प्रति सेंटीग्रेड तक है।

किसानों को होगा लाभ

आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों में बिना किसी बिना विकसित की गई है। इन्हीं में इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। किस्मों को इस किस्म का बीज अपने पास रख उपजाऊ तैयार किया जाएगा। -प्रो. कांबोज, अध्यक्ष, कृषि, हकृवि।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिना किसी बिना विकसित किस्म है जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। बीते वर्ष बिना विकसित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 इनका भी गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। जम्मू में आयोजित 30वां वार्षिक सत्रों व सई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टीआर शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान समिती द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में चिन्हित किया गया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	25.9.2023	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान को होगा फायदा

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकूवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 ईजाद की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी।

जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित



सरसों की नई किस्म आरएच 1975

परिस्थिति में समय पर बिजाई के लिए चिन्हित किया गया है। 11-12 क्विंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 फीसद तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ

किसानों की आर्थिक स्थिति को बल मिलेगा।

आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बीजाई के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	25.9.2023	--	--

हकृवि ने सरसों की नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

नभ-छोर न्यूज ॥ 25 सितंबर
हिसार। चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने
सरसों की एक और उन्नत किस्म
आरएच 1975 विकसित की है।
यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर
बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है
जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749
से लगभग 12 प्रतिशत अधिक

पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म
हकृवि ने वर्ष 2013 में विकसित
की थी। अब दस वर्ष बाद सिंचित
क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर
किस्म आरएच 1975 इंजाद की गई
है जोकि अधिक उत्पादन के कारण
किसानों के लिए बहुत लाभदायक
सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के
कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने

बताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं
वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के
उपमहानिदेशक (फसल) डॉ.
टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में
गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल में
आरएच 1975 किस्म को सिंचित
परिस्थिति में समय पर बिजाई के
लिए चिन्हित किया गया है।

कुलपति ने कहा कि 11-12
क्विंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन
तथा 14-15 क्विंटल प्रति एकड़
उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच
1975 किस्म में लगभग 39.5
फौसद तेल की मात्रा है जिसके
कारण यह किस्म अन्य किस्मों की
अपेक्षा किसानों के बीच अधिक
लोकप्रिय होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	25.9.2023	--	--

हकृवि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

समस्त हरियाणा न्यूज हिमाचल, 25 सितंबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समग्र पर विनाश के लिए एक उत्तम किस्म है जो कि न्यूनतम किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकृवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब इस वर्ष चार सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 विकसित की गई है जोकि अधिक उपज के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जन्म में आवेजित 30वीं वार्षिक सरसों व-गई कार्यक्रमों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उन्नावनिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित परामर्श समितियों द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित क्षेत्रों में विकसित करने के लिए चयनित किया गया था। इस किस्म का लक्ष्य सिंचित क्षेत्रों में सरसों की एक और नई किस्म विकसित करना है।

आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में समग्र पर विकसित किया गया है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समग्र पर विनाश के लिए एक उत्तम किस्म है जो कि न्यूनतम किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकृवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब इस वर्ष चार सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 विकसित की गई है जोकि अधिक उपज के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जन्म में आवेजित 30वीं वार्षिक सरसों व-गई कार्यक्रमों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उन्नावनिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित परामर्श समितियों द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित क्षेत्रों में विकसित करने के लिए चयनित किया गया था। इस किस्म का लक्ष्य सिंचित क्षेत्रों में सरसों की एक और नई किस्म विकसित करना है।

समग्र पर विकसित की गई है, इसलिए इन दोनों किस्मों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज उपलब्ध करवा दिया जाएगा।

दोनों वर्षों की ही दो उच्च किस्मों अनुसंधान निदेशक डॉ. बी.एच. शर्मा के अनुसार इस किस्म को हकृवि के सरसों पैदावारों डॉ. राम अजयार, डॉ. नीरज, डॉ. मंजोल व डॉ. अशोक कुमार को टीम ने डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. निहाल कुमार, डॉ. निरंजन शोषण, डॉ. महावीर एवं डॉ. रावबहा सिंह के सहयोग में पैदा किया है। उन्होंने बताया कि इस टीम ने यह वर्ष भी सरसों की दो किस्में आर.एच. 1424 व आर.एच. 1706 विकसित की हैं। ये किस्में भी सरसों को उत्पादकता बढ़ाने में सफल करवा साबित होगी। उन्होंने बताया सरसों अनुसंधान में हकृवि कार्य करने के लिए इस टीम को हाल ही में जन्म में



आवृत्त कार्यक्रमों में सर्वोच्च केंद्र आर.एच. 725 आठ के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक उपजित व नोकार्बन बन चुकी है, जोकि हरियाणा के अलग-अलग जिलों, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अंकीत उगाई जाने वाली किस्म है। यह किस्म औसत 10-12 क्विंटल प्रति एकड़ पैदावार आराम से दे रही है व इसकी उपजदन क्षमता भी 14-15 क्विंटल प्रति एकड़ तक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	25.9.2023	--	--

हकृवि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

छात्र वर्ष न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म विविध क्षेत्रों में प्रत्येक पाँच किन्नाहों के लिए एक उत्तम किस्म है क्योंकि यह एक किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देती। आरएच 749 किस्म हकृवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। जब तक यह बात विकसित होती है कि इस किस्म में बहुत कम आरएच 1975 प्रकार की यह है जोकि अधिक उपज के साथ किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी।

विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. बंजारा रामचंद्र ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वाँ वार्षिक सम्मेलन व राष्ट्रीय स्तर में प्रत्येक कृषि अनुसंधान परिषद के उपसमन्वितक (कमल) डॉ. टी.अरुण शर्मा की अध्यक्षता में प्रतिष्ठान



बनाने हुए सम्मेलन में आरएच 1975 किस्म को सर्वोत्तम योग्यता के साथ ही विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।
कुलपति ने कहा कि 11-12 डिग्री सेल्सियस तक ही इस उपजदार किस्म 14-15 डिग्री सेल्सियस तक उपजदार किस्म आरएच

1975 किस्म में लगभग 300 घंटे तक की मात्रा में किसान प्रत्येक किस्म 1975 किस्म को उपजदार किस्म के साथ ही विकसित करवाएंगे। इसमें किसान उपजदार में बहुत कम समय में अधिक पैदावार को प्राप्त करेंगे।
इन शब्दों के किसानों को होगा लाभ कुलपति डॉ. बंजारा रामचंद्र ने बताया

कि आरएच 1975 किस्म हकृवि प्रतिष्ठान दिल्ली, जम्मू व इसी उपसमन्वितक के विविध क्षेत्रों में किसानों के लिए विकसित की गई है। उन्होंने इन शब्दों के किसानों को इस किस्म का लाभ देना। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का लाभ उठाने के लिए नए नए उपकरण बनवा दिए जाएंगे।

बोते वर्ष भी की दो उन्नत किस्में
अनुसंधान निदेशक डॉ. जगजित शर्मा के अनुसार इस किस्म को हकृवि के समस्त विभागों को बताना, डॉ. जगजित, डॉ. मनीष व डॉ. अशोक कुमार को टीम में डॉ. राजेश कुमार, डॉ. निहाल कुमार, डॉ. विनय कुमार, डॉ. मधुसूदन कुमार, डॉ. राजेश कुमार के साथ में विकसित किया है। उन्होंने बताया कि इस टीम में यह वर्ष भी किसानों की दो किस्में आरएच 1424 व आरएच 1706 विकसित की हैं। ये किस्में भी किसानों को उपजदार किस्म में लाभ को प्राप्त करने

देंगे। उन्होंने बताया सरसों अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस टीम को हाल ही में जम्मू में आयोजित कार्यक्रम में सर्वोत्कृष्ट टीम अवार्ड से भी सम्मानित किया है।
सर्वोत्कृष्ट अनुसंधान केंद्रों में शामिल हकृवि सरसों केंद्र

कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामचंद्र ने बताया कि हकृवि के सरसों केंद्र को देश के सर्वोत्कृष्ट अनुसंधान केंद्रों में शामिल किया है। सर्वोत्कृष्ट किस्मों में पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 आज के दिन किसानों के बीच सबसे अधिक उपजदार व लाभदायक बन चुकी है। जैविक उर्वरकों के अभाव में, उपजदार सरसों केंद्र में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में किसानों को अधिक लाभ मिलेगा है। यह किस्म लगभग 10-12 डिग्री सेल्सियस तक उपजदार किस्म में है जो कि 14-15 डिग्री सेल्सियस तक उपजदार किस्म है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

पाठक पक्ष न्यूज

25.9.2023

--

--

हकृवि में एनएसएस राज्य स्तरीय पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित

स्वयंसेवकों का समाज में राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान : आनंद मोहन शरण



समाचार पत्र

हिसार, 25 सितंबर - एनएसएस के कार्यक्रमों में जोड़ने के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देना है। हकृवि में एनएसएस राज्य स्तरीय पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रमों में जोड़ने के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देना है। हकृवि में एनएसएस राज्य स्तरीय पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया।

हकृवि में एनएसएस राज्य स्तरीय पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में जोड़ने के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

28 अधिकारियों व स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रमों में जोड़ने के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

हकृवि में एनएसएस राज्य स्तरीय पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में जोड़ने के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

हकृवि में एनएसएस राज्य स्तरीय पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में जोड़ने के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रमों में जोड़ने के माध्यम से राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देना है।